Date
4/05/2020

D.El.Ed.
4th sem.

Subject - Peace Education and Substainable Development

Ch - 7 -, Topic - (Frontiers of violence)

(Corruption)
भ्रष्टाचार

भ्रष्टाचार दो शब्दो से मिलकर बना है, भ्रष्ट और आचार यहाँ पर भ्रष्ट का अर्थ बिगडा हुआ या बुरा एवं आचार से तात्पर्य आचरण से होता है अर्थात वह आचरण जो किसी प्रकार से नैतिक न हो या नियम विरुद्ध हो भ्रष्टाचार के अन्तर्गत आता है।

भ्रष्टाचारी :- जब कोई व्यक्ति अपने स्वार्थ की पूर्ति हेतु कानून के नियमो को न मानते हुए उसके विरुद्ध कार्य करता है तो वह व्यक्ति भ्रष्टाचारी कहलाता है।

वर्तमान मे भ्रष्टाचार की समस्या पूरे विश्व मे विद्यमान है। सभी देश इस समस्या से ग्रस्त है।

भ्रष्टाचार के कारण

भ्रष्टाचार व्यक्ति के आचरण से जुडी एक गम्भीर समस्या है। यह किसी भी व्यक्ति के चरित्र मे लगी दीमक के समान है जो उसके सभी गुणो को समाप्त कर देती है। इस समस्या के कारण निम्नलिखित है —

P.T.O.

1.] भौतिक सुविधाओ के लिए
2.] बिना परिश्रम के धन कमाने के लिए
3.] नैतिक मूल्यो की कमी
4.] झूठी प्रतिष्ठा एवं सम्मान के लिए
5.] गरीबी एवं भूखमरी के कारण
6.] लचीली कानून व्यवस्था
7.] जनसंख्या वृद्दि
8.] राष्ट्रभक्ति का अभाव

भ्रष्टाचार को दूर करने के उपाय

भ्रष्टाचार को निम्नलिखित उपायों से दूर किया जा सकता है।

1.] कठोर नियम बनाकर
2.] कर्मचारियों को पुरस्कृत करके
3.] योग्यता अनुसार वेतन देकर
4.] बेरोजगारी एवं महगांई को कम कर
5.] नैतिक मूल्यो का विकास करके
6.] जनसंख्या पर नियन्त्रण करके
7.] गरीबी एवं भूखमरी को दूर करके
8.] राजनैतिक हस्तक्षेप को समाप्त करके।

Continue---

Nidhi Tyagi
4/05/2020

Scanned with CamScanner